डायमण्ड कॉमिक्स

D-995-Rs. 15.00

चाचा चौधरी टोकियो में

VARUN'S (V)

[illegible] प्राण का जन्म [illegible] में [illegible] हुआ था। [illegible] (राजनीति शास्त्र) और कार्टून आर्ट [illegible] अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप से शुरू हुआ।

उन दिनों भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थीं। प्राण ने भारतीय पात्रों को [illegible] भारतीय [illegible] पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

[illegible] ने उनको 1995 में [illegible] पुरस्कृत किया। उनके चाचा चौधरी [illegible] अमेरिका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स "रमन-हम एक हैं" का विमोचन किया।

प्राण के चरित्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे [illegible] हास्य द्वारा पाठकों का [illegible] करते हैं।

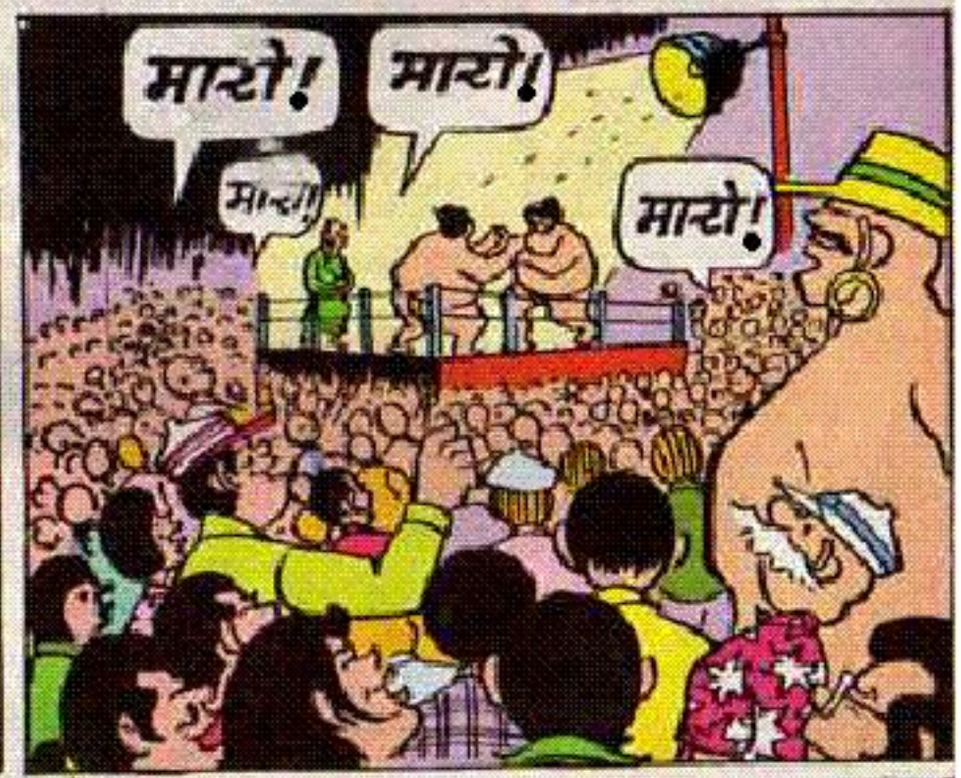

प्रकाशक

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, 4-84 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

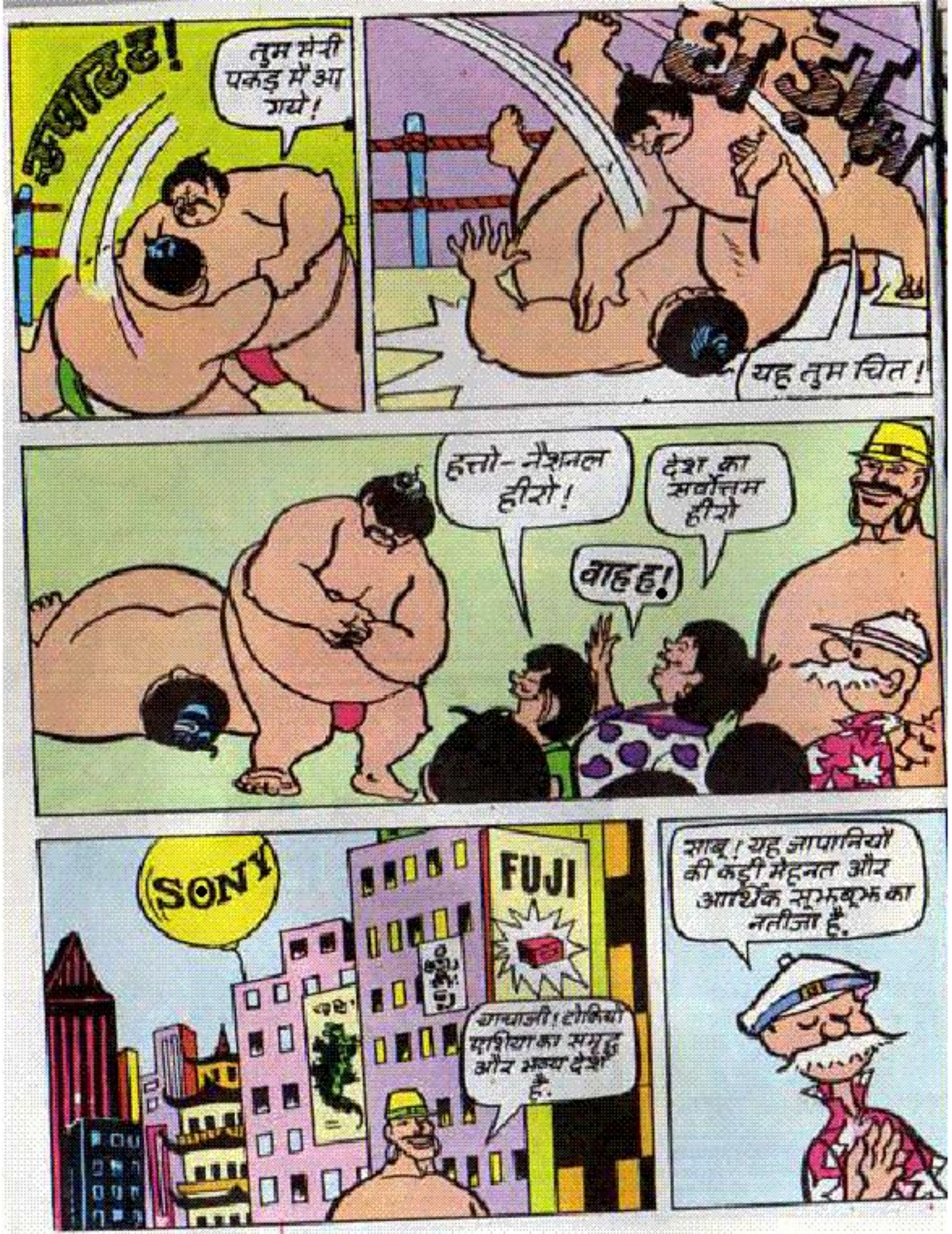

झपाटट!
तुम मेरी पकड़ में आ गये!
यह तुम चित!
हल्लो– नैशनल हीरो!
देश का सर्वोत्तम हीरो
वाहह!
SONY
FUJI
चाचाजी! टोकियो एशिया का समृद्ध और भव्य देश है.
साबू! यह जापानियों की कड़ी मेहनत और आर्थिक सूझबूझ का नतीजा है.

कुछ दूर पर.

ओनो! मैं तुमसे प्यार करता हूं.

अहीरो! मैं भी तुम्हें चाहती हूं.

तो फिर क्यों न हम शादी कर लें?

मैं अपनी माँ से बात करूंगी.

ओनो! तुम मेरे सिवा किसी की नहीं हो सकतीं.

हत्तो! मैं अगर शादी करूंगी तो अहीरों से.

मुझ जैसे राष्ट्रीय पहलवान के आगे यह चूहा क्या महत्व रखता है?

मैं इसको दूध में बाल की तरह निकाल फेंकता हूं.

नहीं! हत्तो, उसे छोड़ दो!

© PRAN'S FEATURES

लो, मैं इसे आजाद करता हूं, लेकिन ओनो, तुम्हें मेरे साथ चलना होगा.
मकान के अंदर आ जाओ!
बंद दरवाजा मुझे नहीं रोक सकता.
मुझे सोचने का मौका दो!
मैं तुम्हें एक दिन देता हूं, अगर तुम मेरे साथ शादी करने को राजी नहीं हुईं, तो मैं तुम्हें उठाकर ले जाऊंगा.

हम कोई रास्ता निकाल लेंगे. भारत से एक दानिशमंद चाचा चौधरी यहाँ आया है. मैं उससे मदद लेती हूँ.

चाचा चौधरी! पहलवान हत्तो मेरा अपहरण करना चाहता है. मुझे तुम्हारी सहायता चाहिए.

हत्तो तुम्हारी जोहिया भी नहीं ले जा सकता.

हत्तो खूंखार आदमी है. उससे पूरा शहर डरता है. तुम इस पचड़े में न पड़ो तो अच्छा है.

मेरे रहते किसी महिला के साथ ज्यादती नहीं होगी.

आओ, चलें.

दूसरे दिन.

मोटे! लोगों की रक्षा का भार मैंने अपने ऊपर लिया है. सो इस मकान के करीब न आना.

हो! हो!! चूहा हाथी को ललकारता है?

तुम हाथी सही, पर यह खम्भा मुझे बचायेगा.
हो! हो!! पहले मैं तुम्हारी रक्षा को ही तोड़ता हूं.
आऊऊऊ!
ईईई-- मेरा सिर!
यह एक भारतीय चूहे की वजह से हुआ!

मैं उसे जान से मार डालूंगा.
नहीं! वह चाचा चौधरी है. चतुराई में तुम उससे नहीं जीत सकते.
लेकिन मैं ओनो के बगैर भी जिन्दा नहीं रह सकता.
अक्ल को अक्ल से टकराना होगा. मैं चाचा चौधरी को ओनो से दूर कर देता हूँ. पीछे से तुम उस सुन्दरी को लेकर चम्पत हो जाओ.
ठीक है, ताओ.
ताओ का नमस्कार! जिसने जापान आकर नूडल्स नहीं खायीं उसका यहाँ आना व्यर्थ गया. मेरे साथ चलिए और स्वादिष्ट डिश का आनंद लीजिए.
यही मौका है.
मुझे आपका मेहमान बनने में खुशी है.

ओनो के करीब न आना!
मैं अब उसे लेकर ही जाऊंगा, चाहे मुझे तुम्हारी जान क्यों न लेनी पड़े.
तुमने यहां आकर गलती की है!
मैं गला घोंटकर तुम्हें यहीं मार दूंगा.
पहले इधर आओ!
अर र र र र!

तुम जाओ! अब तुम्हें डरने की जरूरत नहीं.
धन्यवाद, साबू!
ओहह! मेरी कमर!
नूडल्स के लिए धन्यवाद, श्रीमान!
हलो! तुम्हारी शादी का क्या हुआ?
जब तक मेरी कमर की टूटी हड्डी ठीक नहीं हो जाती, तब तक के लिए मैंने शादी का विचार छोड़ दिया है.

गगोल की चाल
धमाका सिंह! तुमने जो कर्ज लिया था उसका ब्याज नहीं चुकाया?
गगोल! मंदा चल रहा है. कुछ दिनों की मोहलत दो!
मुझे अपना पैसा चाहिए. कहीं से लाओ, चाहे बैंक लूट कर.
कुछ दिनों से मैं न कोई अपहरण कर पा रहा हूं न चोरी.
क्यों?
चाचा चौधरी की वजह से. वह बैंक लूटने की मेरी हर कोशिश को विफल कर देता है.
© PRAN'S FEATURES

मैं उसको तुम्हारे रास्ते से हटा देता हूँ. बशर्ते तुम कर्ज़ चुका दोगे!

मंजूर है. डाका डालने से जो रुपया पैसा मेरे हाथ लगेगा मैं वह तुम्हें दे दूंगा.

तुम चाचा चौधरी को उत्तर-पश्चिम पहाड़ी-श्रृंखला पर लाओ. बाकी काम मुझ पर छोड़ दो.

ठीक है.

उधर.

चाचाजी! कितनी दूर तक जॉगिंग करनी है?

ज्यादा दूर नहीं, साबू! ज्यादा व्यायाम से ज्यादा भूख लगेगी. बीनी हम पर गुर्रायेगी.

ओह ह! शहर में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है.

जायें तो कहां जायें?

चाचा चौधरी! उत्तर पश्चिमी पर्वत श्रृंखला पर ताजा हवा है. तुम वहां क्यों नहीं जाते?

वह ठीक कहता है. हम वहां जाते हैं.

यहां ऑक्सिजन का आनंद दोगुना हो जायेगा.

हमारे फेफड़े तंदरुस्त हो जायेंगे.

तुम क्यों रो रहे हो?

मेरी बकरी इस गुफा में चली गयी. वह बाहर नहीं निकल रही.

साबू! आओ, हम बकरी को ढूंढकर उसे बाहर लायें.

सारी गुफा छान मारी, बकरी का नामोनिशान नहीं
शायद उस आदमी ने हमें बेवकूफ बनाया.
पत्थर को धकेलो!
वह लुढ़क गया.
हुर्रे! पत्थर से गुफा का द्वार बंद हो गया.
शाबाश, गगोल!
चाचा चौधरी और उसका साथी बंद गुफा में भूखे प्यासे मर जायेंगे.
मैं कोई भी जुर्म बेखटके कर सकता हूं.

हम बंद हो गये.
साबू! बाहर निकलने का कोई न कोई रास्ता मिल जायेगा.
उस बिन्दु से रोशनी आ रही है. वहां पहाड़ का पत्थर पतला है.
ह-हूवा!
वह पहाड़ तोड़कर बाहर निकल आया.
आओ, चलें! श्रीमती नाश्ते पर हमारा इंतजार कर रही होंगी.

नोटों से भरा थैला
लीजिए, पूरा एक लाख रुपया.
केश
धन्यवाद, मिसेज बापट!
बैंक
मुझे जल्दी मिल पहुंचना चाहिए.
मजदूरों को तनख्वाह समय पर मिलनी चाहिए. वे महीना भर मेरी मिल में कड़ी मेहनत करते हैं.
© PRAN'S FEATURES

हैं?? पुल पर ट्रक बीचोंबीच खड़ा है?

हार्न!!

लाला! बैंक से जो तुम एक लाख रुपया लाये हो, वह दो!

मगर वह मजदूरों की तनख्वाह है?

हम तुम्हें मारकर वह बैग छीनना सकते हैं.

हूं! अब तुमने अक्ल का काम किया.

मैं लुट गया!

रुको! इक ड्राइवर मेरा नोटों से भरा बैग लेकर चंपत हो गया.

गाड़ी का नंबर!

67334.

फिक्र न करो! मैं आगे चौकी पर ट्रक का नम्बर फ्लैश करता हूं. पुलिस उसे रोक लेगी.
मोगो! आगे चौकी है! पुलिस तलाशी ले सकती है.
साबो! हम बैग रास्ते में गाड़ देते हैं.
अब खतरा टल जायेगा, बैग निकाल लेंगे.
ठीक है.
यहां धन गड़ा है, यह हमारे सिवा कोई नहीं जानता.
पुलिस
रहीम! वह ट्रक नं: 57334 आ रहा है. उसकी तलाशी लो.

सर! मैंने ट्रक का कोना-कोना छान मारा. रुपयों से भरा बैग नहीं मिला.
इसे जाने दो!
हो! हो!!
गोगो! तुम्हारा जवाब नहीं!
उस ट्रक में कोई बैग नहीं मिला... कोई और पहचान?
कान्स्टेबल डंडादीन! चोर का चेहरा ढका था, पर उसने लाल पगड़ी पहनी थी.
लाल पगड़ी?... बस काफी है!
चाचा चौधरी! एक चोरी के बारे में तुमसे बात करनी है.
बड़ा चला बिल्लौटा से पंजा लड़ाने!

सरे दिन सुबह.
खुशखबरी! हमारी जगह किसी दूसरे पर इल्ज़ाम लगा.
चाचा चौधरी गिरफ़्तार
एक लाख की चोरी
अब कोई खतरा नहीं, जाकर वह नोटों से भरा बैग निकाल लें
यह खूब रही.
वह यही गड्ढा था.
मिट्टी हटाओ!
वह बैग इधर दो!
तुम ?? ...तुम तो गिरफ़्तार हो गये थे ?
वह खबर अखबार में मैंने छपवाई थी ताकि पता लगा सकें कि चोरी का पैसा तुमने कहां छुपाया है.
चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.

ज्यों ही तुम अपने घर से निकले, हम तुम्हारे पीछे-पीछे चले आये.
तुम सबकी मौत मेरे हाथों लिखी है.
आऊऊ!
चलो! कुछ दिन बड़े घर की हवा खाओ!

मल्लिका नूरजहाँ के जेवर
हम यहां क्यों आये हैं?
ढिब! यह एक म्यूजियम है, यहां बहुमूल्य जेवरात रखे हैं.
अगर हम उन्हें चुराने में कामयाब हो गये तो हम अमीर हो जायेंगे... उस पेड़ की टहनी म्यूजियम की छत पर लटकती है.
वहां तक जाने का रास्ता मुझे मिल गया.

कूदो!
यह सीढ़ियां हमें उस कमरे तक ले जायेंगी जहां मल्लिका नूरजहां के बहुमूल्य जेवर रखे हैं.
वह रही हमारी किस्मत!
शियामा! हम थैला तो लाये नहीं. इतने सारे जेवर कैसे ले जायेंगे? गेट पर खड़े गार्ड ने देख लिया तो मुसीबत हो जायेगी!

मैं इन्हें ऐसे लेकर जाऊंगा कि किसी को शक न हो. मैं पहले बाजीगर था.
"और मेरे खेलों में से एक था पूरी तलवार निगलना."
मैं इन जेवरों को भी पेट में डाल सकता हूं.
जब खतरा टल जायेगा, आभूषणों को बाहर निकाल लूंगा.
आओ, चलें!
तुम कहां से आये?
क्यों? क्या म्यूजियम की वस्तुओं को देखना जुर्म है. वह वहां पब्लिक के लिए रखी हैं.
© FRANK FEATURES

मुझे शक है. अंदर जाकर देखना चाहिए.

हैं?? बेगम नूरजहां के आभूषण गायब?

रुको! नहीं तो गोली मार दूंगा.

म्यूजियम में चोरी हुई है. तुम्हारी तलाशी लेनी होगी.

देखो! हमारे पास कुछ नहीं है.

हम शरीफ आदमी हैं.

फिर वे कहां गये?

तुम्हें चाचा चौधरी के पास चलना होगा.
चाचाजी! म्यूज़ियम से जेवरात चोरी हुए हैं, मगर तलाशी लेने पर वे इनसे बरामद नहीं हुए.
यह तो मशहूर जादूगर पियासा है. मैंने इसके करतब देखे हैं.
हाँ! मैं शरीफ आदमी हूँ.
तुम्हारे खेलों से साबू बहुत प्रभावित हुआ था, वह तुम्हारी पीठ थपथपाना चाहता है.
वह ऐसा कर सकता है.
अररर! यह क्या?
पीठ थपथपाने का मेरा यही तरीका है.
तैयार?

धपाक!!
छपाक!!
और??
नहीं, सारे जेवरात बाहर आ गये.
चाचा चौधरी! यह छुरी म्यूज़ियम की नहीं है.
वह उसके पेट में इसलिए रख छोड़ी थी ताकि जब कभी फल-सब्जी काटनी हो तो छुरी को ढूंढना न पड़े.*
* चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.

दूध और पानी

सेठानी राजलक्ष्मी! तुम्हें यहां आकर दूध लेने की क्या जरूरत है? ग्वाला वह तुम्हारे घर पहुंचा देता.

मैं बिना मिलावट का दूध पीना पसंद करती हूं.
शायद यही तुम्हारी सेहत का राज है.
मैंने आज तक सिर्फ शुद्ध दूध पीया है.

अच्छा चलते हैं. फिर मिलेंगे

HOTEL

दूध रेफ्रिजरेटर में रख दूं.

मालकिन ने दूध फ्रिज में रखा है. क्यों न आधा मैं पी लूं?

मालकिन की तरह मेरी भी सेहत बन जाये.

जितना दूध निकाला है, उतना पानी मिला देना चाहिए.

बर्तन वापस रेफ्रिजरेटर में रख देता हूं. किसी को क्या पता चलेगा?

© PRAN'S FEATURES

भीखू! मेरे दूध पीने का टाइम हो गया है.
शम्भू काका! मैं काम में लगा हूं. मालकिन को दूध तुम दे आओ.
अच्छा, भीखू!
उल्प फ फ!! मिलावटी दूध?
मगर मालकिन, वह जैसा रेफ्रिजरेटर में पड़ा था मैं वैसा गिलास में डालकर ले आया.
तुम में से दूध में पानी किसने मिलाया है?
मैंने नहीं!
हो सकता है भैंस ने पानी ज्यादा पी लिया हो इसलिए दूध पतला हो गया?
दूसरे दिन.
मैं चखकर पता कर सकती हूं कि आज भी दूध में मिलावट है?
मगर मैंने उसमें कुछ नहीं मिलाया.
मैंने भी नहीं!

तीसरे दिन.

राज्यलक्ष्मी! तुम्हारे दूध पीने के शौक की तारीफ करनी पड़ेगी.

मगर चाचा चौधरी! आजकल मुझे वह शुद्ध पीने को नहीं मिल रहा.

कोई चोरी से दूध पी जाता है, और बचे दूध में पानी मिला देता है.

पता नहीं ऐसा कौन करता है?

दूध रेफ्रिजरेटर में मैं रखता हूं.

वह उबलने लग गया!

अब इसे रेफ्रिजरेटर में रख दूं.

तभी
कोई आसपास नहीं है. दूध पीया जाये.
अहा! वह रहा बर्तन में.
ई ई ई ई!... गर्म दूध से जल गया!
वह रहा चोर! स्टील का बर्तन गर्म होने से उसके हाथ से छूट गया!
मगर रेफ्रिजरेटर में रखने से दूध ठंडा क्यों नहीं हुआ?
मैंने फ्रिज की बिजली की सप्लाई बंद कर दी थी.

जहाज
चाचाजी! समुद्र में नहाने का लुत्फ ही कुछ और है.
हां, साबू! तैराकी एक अच्छा व्यायाम भी है.
मंद-मंद हवा मन को अच्छी लग रही है.
किनारे पर बैठकर विश्राम करेंगे.
© PRAN'S FEATURES

आज छुट्टी का दिन यहीं बिताया जाये.

समुद्र में एक जहाज तेजी से आ रहा है.

कैप्टन ! मौसम खुला है.

हां, लेकिन सम्भलकर. दूसरे जहाज भी इस समुद्र में तैर रहे हैं.

यह विशाल जल है. कोई दिल्ली का भीड़ भरा बाजार नहीं, जहां से गाड़ी निकालनी मुश्किल हो.

सामने देखो ! दूसरा जहाज करीब से निकलना चाहता है.

ओहहह!
हमारा जहाज क्षतिग्रस्त हुआ है.
बचाओ!
चाचाजी, देखो! उस जहाज़ में आग लगी है.
हमें यात्रियों को बचाना चाहिए.
जहाज़ का फायर सिस्टम?
वह फेल हो गया है!
फायर ब्रिगेड आ गयी!

हमारी गाड़ी समुद्र के बीच कैसे जायेगी? -- वहां तक पहुंचने के लिए स्टीमर की जरूरत होगी.
तब तक जहाज जलकर राख हो जायेगा!
आग की लपटें फैल रही हैं!
बचो!
क्या मैं आपका पाइप ले सकता हूं?
चाचाजी! यह आग हम बुझायेंगे.
मैंने पाइप का एक सिरा पानी के अंदर डाल दिया है.

अब आग बुझने देर नहीं लगेगी.

बचाओ!

आग बुझ गयी. अब कोई खतरा नहीं.

धन्यवाद, साब!

आओ चलें. अभी एक दूसरी आग बुझानी है.

कौन सी?

पेट की आग!-- खाना खायेंगे.

कीमती हार

भाग्यवान! कीमती हार किस खुशी में पहना जा रहा है.

यूंही, मेरा मन चाहा.

शादी पर तुमने वायदा किया था कि हम मिलजुल कर गृहस्थी बनायेंगे. लेकिन तुमने कभी ऐसा नहीं किया.

तुम भूल रही हो.

यह कीमती हार हम दोनों के सहयोग से घर में आया. तुमने ज्वेलर को बिल दिया मैं डिब्बा उठाकर घर तक लाया.

© PRAVIN FEATURES

हा! हा!!

हा! हा!!

?

बीनी! चाय का टाइम हो गया है.

वह नहीं बन सकती. चीनी खत्म है.

जाकर बनिये से चीनी लाओ.

मैं नहीं जा सकता.

वह उधार के पहले पैसे मांगेगा.

ठीक है. मैं जाकर उसकी दुकान से चीनी का इंतजाम करती हूँ.

बिना पैसे के तुम चीनी कैसे लाओगी?

मैं बनिये से कहूँगी कि मैं उसकी चीनी चूहों से बचाने आयी हूँ.
तुम भला चीनी कैसे बचाओगी?
जो चीनी बनिये से लाकर हम चाय में पी लेंगे उसे चूहे कैसे खायेंगे.
कुछ दूर जाने पर.
बहन! मेरे पति मेरा फोटो खींचना चाहते हैं, थोड़ी देर के लिए क्या अपना खूबसूरत हार दोगी ताकि इसे पहनकर मैं फोटो खिंचवा सकूँ.
क्यों नहीं?
धन्यवाद! अब फोटो में मैं सुन्दर लगूंगी.
क्लिक!

रीपा! आओ, चलें.
अर र र! तुम मेरा हार वापस करना भूल गयीं.
क्या बकती हो? जिसके गले में है, हार उसी का होता है!
तुम्हारा बच्चा मेरे पास है. जब तक तुम हार नहीं लौटाती, यह मेरे पास रहेगा.
इस बच्चे की मां वह है. थोड़ी देर के लिए इसे मैंने मांग लिया था.
मेरा बेटा!
अहा! भीनी भीनी खुशबू!

अगर तुम्हें यह खुशबू पसन्द है, तो कुछ ही तुम लगा सकती हो.
धन्यवाद!
मैंने इत्र गले पर लगा लिया. इसकी खुशबू कितनी मस्तीभरी है!
तभी.
ओहह! गले में खुजली!
मंजूर है.
यह रहा तुम्हारा हार.
घर जाकर घी का तेल मलो. खुजली मिट जायेगी.
मुझे जल्दी घर पहुंचकर तेल ढूंढना चाहिए.
मुझे जल्दी बनिये की दुकान पर पहुंच कर चीनी का प्रबंध करना चाहिए.

अनोखा अपहरण

चाचाजी! सुबह मैं दूर तक जागिंग कर आऊँ.

मंद मंद हवा चल रही है. चारों तरफ हरियाली है.

धमाकासिंह! वह आ रहा है

साबू! मेरा यह हथियार हाथी को धराशायी करने की क्षमता रखता है. चुपचाप मेरे साथ चले आओ!

हो!हो!! आज बड़ा शिकार हाथ लगा.

© PRAN'S FEATURES

चलो अंदर.
चाचा चौधरी को टेलीफोन करो कि दस लाख रुपया दें और साबू को छुड़ा ले जाये.
धमाका सिंह! मुझे भूख लगी है.
फिक्र न करो. कैदी को पूरा खाना मिलेगा. बोलो, क्या खाओगे?
पचास रोटियां, पांच किलो चावल, आठ किलो आलू, चार किलो दाल, छह किलो गोभी, तीन किलो दही और आठ किलो सलाद वगैरा.
क्या यह तुम्हारी एक दिन की खुराक है?
यह सिर्फ सुबह का नाश्ता है.
जाओ, हमें बख्शो!